की नियुक्ति के संबंध में कोई नीति बनाने का विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) और (ख) एक हवाई टैक्सी प्रचालक द्वारा एफ-27 विमान के प्रचालन के लिए एक विदेशी कॉकपिट कर्मीदल सदस्य की नियुक्ति की गई है। किसी भी विदेशी राष्ट्रिकों को कर्मीदल सदस्य नियुक्त नहीं किया जाता है।

(ग) से (ङ) क्योंकि निजी हवाई टैक्सी प्रचालकों द्वारा विदेशी राष्ट्रिकों की नियुक्ति बड़े पैमाने पर नहीं की गई है, अतः इस समय इस संबंध में किसी भी मार्गदर्शी नीति को तैयार करना आवश्यक नहीं समझा गया है।

महाराष्ट्र में इंडियन एयरलाइंस और वायुदूत की उड़ानों का रद्द किया जाना

3074. **श्री सुशील कुमार संभाजी राव शिन्दे** : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान 15 नवम्बर 1993 की स्थिति के अनुसार महाराष्ट्र में इंडियन एयरलाइन्स और वायुदूत की कौन-कौन सी उड़ानें सदा के लिए रद्द कर दी गई हैं;

(ख) इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह सच है कि रत्नागिरी और नांदेड आदि जैसे स्थानों से नियमित उड़ान सेवा शुरू करने के लिए हर तरफ से मांग की गई परन्तु इस संबंध में कोई कार्यवाही नहीं की गयी है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार किन किन स्थानों से विमान सेवाएं शुरू करने का विचार रखती है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) और (ख) वाणिज्यिक और प्रचालनात्मक कारणों से इंडियन एयरलाइंस और वायुदूत ने पिछले तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में निम्नलिखित उड़ानों को वापस ले लिया है:

इंडियन एयरलाइंस:

(1) बम्बई-अहमदाबाद-जयपुर-वाराणसी-कलकत्ता और वापसी।

(2) बम्बई-रांची-पटना-बम्बई।

(3) बम्बई-रायपुर-भुवनेश्वर-कलकत्ता।

वायुदूत:

(1) बम्बई-औरंगाबाद-बम्बई

(2) बम्बई-गोवा-बम्बई

(3) बम्बई-औरंगाबाद-नांदेड

(4) बम्बई-पुणे-इंदौर

(5) बम्बई-पुणे-नांदेड

(6) बम्बई-बड़ौदा-बम्बई

(7) बम्बई-भावनगर-बम्बई

(8) बम्बई-सूरत-भावनगर

(9) बम्बई-नासिक-बम्बई

(10) बंबई-औरंगाबाद-नासिक-बंबई

(11) बम्बई-जामनगर-राजकोट

(12) बम्बई-जामगर-बम्बई।

(ग) जी हां।

(घ) इस समय महाराष्ट्र में किसी नये स्टेशन को हवाई सेवा से जोड़ने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

एयरबस ए-320 शामिल करने के लिए यूरोपीय बैंक से ऋण

3075. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइन्स के बेड़े में नयी एयरबस ए-320 शामिल करने के लिए यूरोपीय बैंक से सरकार द्वारा कुल कितनी धनराशि का ऋण लिया गया है;

(ख) यदि हां, तो विमान कंपनी-वार इन खरीदों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि एयरबस भारतीय नागर विमानन के लिए लाभदायक साबित नहीं हुई और अनेक दुर्घटनाएं हो रही हैं;

(घ) क्या सरकार इन दो बोइंग और एयरबस से संबद्ध कंपनियों के अलावा किसी अन्य कम्पनी से विमान खरीदने के किसी प्रस्ताव पर विचार कर रही है; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इंडियन एयरलाइन्स ने मैसर्स के.एफ डब्ल्यू नामक जर्मन वित्तीय संस्थान से 19 एयरबस ए-320 विमानों को खरीदने के लिए 250 मिलियन अमरीकी डालर का ऋण लिया।

(ख) इंडियन एयरलाइन्स और एयरबस इंडस्ट्रीज के बीच 15 मार्च, 1986 को हुए खरीद करार के अन्तर्गत 19 ए-320 विमान खरीदने का करार किया गया था। जिसमें 12 और विमानों को खरीदने का भी विकल्प था। इंडियन एयरलाइन्स द्वारा 12 अतिरिक्त विमानों को लेने के विकल्प का प्रयोग वर्ष 1989 में किया गया था। सातवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान इनमें से 15 विमानों की सुपुर्दगी हो चुकी है।

(ग) जी नहीं।

(घ) और (ङ) फिलहाल इंडियन एयरलाइंस का नए विमान खरीदने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

SLIPPAGE IN THE TRAFFIC OF INDIAN AIRLINES

3076. SHRI MENTAY PADMANABHAM : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether any study has been made of the role that Indian Airlines will have by the end of this decade;

(b) whether it is a fact that here has been a slippage in the traffic carried by Indian Airlines in 1992-93;

(c) what steps are proposed to be taken to ensure better utilisation of the existing fleet of planes ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD) ; (a) The Government has constituted Committees to estimate realistic growth in air traffic upto the year 2000 and to recommend suitable types of aircraft for Indian Airlines to meet the traffic requirements.

(b) Indian Airlines passenger carriage declined from 8.9 million in 1991-92 to 7.8 million in 1992-93 largely due to non-availability of capacity arising out of strike by pilots and its after effects.

(c) The main steps proposed to be taken to ensure better utilisation of aircraft include increase in Flight and Duty Time limitation of pilots, better aircraft availability, increase in capacity on the domestic network wherever required, greater utilisation of Indian Airlines aircraft for international flights.

THIRD AIRPORT COUNCIL INTERNATIONAL WORLD ASSEMBLY AND CONFERENCE

3077. SHRI AHMED MOHAMEDBHAI : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether third Airport Council International World Assembly and Conference was held in New Delhi from November 7 to 10 this year (1993);

(b) whether establishment and strengthening of the "Funds for developing Nation's Airports and support for expansion of Air Service operations to benefit national and regional economies through increased Air Services", were discussed in the conference ;

(c) if so, the details of the resolutions adopted in the conference; and

(d) what are the steps being taken to implement them ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD) : (a) Yes, Sir.